प्रेरणा के द्वारा व्यक्ति को बदला जा सकता है : आचार्य महाप्रज्ञ

बीदासर, 5 अप्रैल।

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में उपस्थित विशाल जनमेदनी को संबोधित करते हुए अपने प्रवचन फरमाया कि व्यक्ति एक दूसरे को देखता है और सोचता है कि अमुक आदमी ऐसा आचरण कयों कर रहा है? गुस्सा क्यों कर रहा है? धन के लिए इतना लोभी क्यों बना हुआ है? एक दूसरे व्यक्ति व्यवहार और आचरण हमारे सामने आता है। किंतु उसके पीछे कारण क्या है? वह कारण हमारे सामने नहीं आता।

आचार्यप्रवर ने फरमाया कि आहार, भय, मैथुन, परिग्रह ये चार संज्ञाएं है। क्रोध, मान, माया, लोभ ये चार संज्ञाएं दो वर्ग क्रोध संज्ञा, लोभ संज्ञा दस संक्षाएं बतलाई गई है, इनके आधार पर हम व्यक्ति के व्यवहार और आचार का निर्णय कर सकते हैं। कि ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है। आचरण, व्यवहार अपने आप नहीं होता उसके पीछे छिपी हुई संज्ञा की प्रेरणा होती है। आज भी कुछ लोग हत्या बिना मतलब नहीं करते उसके पीछे कोई प्रेरणा है जब तक हम व्यक्ति की प्रेरणा को न बदलें तब तक उनका व्यवहार बदल नहीं सकता। जब तब संज्ञा प्रेरणा या दृष्टि, श्रद्धा इनको नहीं बदलेंगे तब तक इसका व्यवहार बदल नहीं सकता।

आचार्यप्रवर ने फरमाया महाप्रज्ञ ने कहा कि भगवान महावीर ने चरित्र को पहला स्थान नहीं दिया। पहला स्थान दिया दृष्टिकोण को। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान तो फिर सम्यक चारित्र हो सकता है। अगर मिथ्या दृष्टिकोण, मिथ्या ज्ञान तो आचरण भी मिथ्या होगा। हमें दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है। रूचि को बदलने की जरूरत है। श्रद्धा को बदलने की जरूरत है और संज्ञा और प्रेरणा है उसमें परिवर्तन लाने की जरूरत है।

युवाचार्यप्रवर ने फरमाया कि जिस आदमी के जीवन में त्याग संयम नहीं है, असंयम युक्त जीवन है उस व्यक्ति को बाल कहा जाता है। जिसमें संयम है, जो साधु है उसे पण्डित कहा गया है। चाहे वह विभिन्न भाषाओं का ज्ञान न भी हो किंतु जो संयमी बन गया है उसे पण्डित कहा गया है।

इस अवसर पर अणुव्रत शिक्षक संसद पंजाब प्रांत के प्रभारी विजय गोयल जैन ने अपने विचार व्यक्त किये।

अणुव्रत चुनाव शुद्धि यात्रा

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा निर्देशित चुनाव शुद्धि अभियान के अंतर्गत बाघा बॉर्डर से प्रारंभ हुई अणुव्रत चुनाव शुद्धि यात्रा पंजाब प्रान्त के 13 लोकसभा क्षेत्रों की यात्रा सम्पन्न कर राजस्थान के गंगानगर जिले से चुरू जिले में प्रवेश हुई। तथा सरदारशहर होते हुए आज बीदासर में आचार्यश्री का आशीर्वाद लेने पहुंची। यहां पहुंचने पर चुरू जिला अणुव्रत समिति के अध्यक्ष चौथमल बोथरा व प्रवास व्यवस्था समिति बीदासर के अध्यक्ष श्री बाबूलाल सेखानी ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के संयोजक श्री विजय गोयल जैन अपने साथ 20 सहयोगी कार्यकर्त्ताओं के साथ यात्रा करते हुए 15 अप्रैल को अमर ज्योति पर श्रद्धा सुमन समर्पित कर राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे।

आचार्यप्रवर एवं युवाचार्यप्रवर की सफलता के लिए मंगल आशीर्वाद देते हुए नैतिकता के प्रति दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अणुव्रत प्रभारी मुनिश्री सुखलालजी ने कहा किसी भी बुराई को खत्म करने के लिए अच्छाई की आवाज को बार–बार बुलंद करना आवश्यक

है। हमें सदा उत्साही रहकर व्यसनमुक्त, नीतिनिष्ठ स्वस्थ समाज संरचना के लिए बार–बार हमें अपनी आवाज जन–जन तक पहुंचाते रहें।

इस अवसर पर चुरू जिला अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री चौथमल बोथरा ने अपने संबोधन में कहा कि चुनाव शुद्धि अभियान के तहत इस यात्रा का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक एवं सत प्रतिशत वोट डालने के लिए प्रेरित करना है। मतदाताओं को भ्रष्ट व अपराधी को वोट न देने के लिए तैयार करना है।

इस अवसर पर अणुव्रत शिक्षक संसद पंजाब प्रांत के प्रभारी श्री विजय गोयल जैन को जिला अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री चौथमल बोथरा ने अणुव्रत का साहित्य भेंट कर सम्मानित किया।